सेवा में,

माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
उत्तर प्रदेश सरकार

द्वारा

जिलाधिकारी
जनपद----------

ज्ञापन

मान्यवर,

सादर अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ 27237 सदस्यो की पंजीकृत संस्था है। इसके सभी सदस्य शासन एवं प्रशासन की योजनाओं मे अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुये अपने पदीय दायित्यो का भी कुशल पूर्वक निर्वहन करते है वर्तमान समय में फील्ड स्तरीय कर्मचारियों की अपेक्षा लेखपाल पर सर्वाधिक कार्यो का बोझ है। इसके बावजूद अन्य कर्मचारियों की अपेक्षा लेखपाल का वेतन, भत्ते एवं अन्य सुविधायें काफी कम है, जबकि लेखपाल को उद्धरण खतौनी से प्राप्त होने वाली पारिश्रमिक धनराशि से भी वर्ष 2005 से वंचित कर दिया तथा उत्तरांखण्ड राज्य जो उत्तर प्रदेश का ही विभाजित अंग है, में लेखपालो को जो वेतन, भत्ते, सुविधायें दी जा रही है उत्तर प्रदेश में उससे काफी कम वेतन, भत्ते, सुविधायें दी जा रही है। प्रोन्नति के अवसर बिल्कुल नगण्य हैं जबकि प्रदेश के अधिकांश जनपदो एवं तहसीलों में एक भी राजस्व निरीक्षक तथा नायब तहसीलदार कार्यरत नही है। लेखपालो की संख्या में भारी कमी है,जिससे एक लेखपाल को दो से चार क्षेत्रो का कार्य करना पड़ रहा है।

प्रान्तीय नेतृत्व द्वारा संवर्ग की विभिन्न लम्बित समस्याओ के सामयिक निस्तारण हेतु प्रत्येक स्तर पर काफी प्रयास किये गये जिनमें विभिन्न स्तरो पर वार्तायें भी हुयी, उनकी कार्य वृत्तियॉ भी जारी हुयीं परन्तु कोई सार्थक परिणाम सामने नही आये। शासन एवं परिषद् के उपेक्षा पूर्ण रवैये से क्षुब्ध होकर प्रान्तीय नेतृत्व के आवाहन पर उत्तर प्रदेश के सभी लेखपाल दिनांक 16.08.2014 से आन्दोलन के लिये विवश हुये है।

मुख्य रूप से विचारणीय एवं लम्बित समस्याओं का विवरण

1. प्रदेश के राजस्व लेखपालो का प्रारम्भिक वेतनमान, वाहन भत्ता, स्टेशनरी भत्ता आदि देश के अन्य प्रान्त (पंजाब, हिमांचल, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तराखण्ड) के समान किये जायें।

2. प्रदेश में राजस्व निरीक्षक के 1398 नये राजस्व पदों का सृजन किया जायें तथा पूर्व प्रस्तावित 646 पद रजिस्ट्रार कानूनगो संशोधित नाम राजस्व निरीक्षक तहसील कार्यालय में बढ़ाने के साथ–साथ सीधी भर्ती हेतु निर्धारित 25 प्रतिशत अनुपात को समाप्त कर राजस्व निरीक्षक के समस्त पदो पर शत् प्रतिशत प्रोन्नति व्यवस्था लेखपाल संवर्ग से सुनिश्चित की जाये एवं वर्तमान समय में रिक्त लगभग 800 पदो पर संवर्ग से तत्काल प्रोन्नति की जाये।
3. प्रदेश में लेखपाल संवर्ग से रिक्त लगभग 8000 पदो को कार्य सरकार एवं जनहति में अति शीघ्र भरा जाये। पदो को भरने तक अतिरिक्त कार्य (ओवर टाइम) के रूप में एक हल्के से अतिरिक्त हल्को का कार्य करने वाले लेखपालो को अतिरिक्त मानदेय निर्धारित किया जाये।
4. लेखपालो की शैक्षिक योग्यता वर्तमान समय में इण्टरमीडिएट है जिसे स्नातक किया जाये तथा नियुक्ति अधिकारी उपजिलाधिकारी के स्थान पर जिलाधिकारी को किया जाये।

संस्था को आशा ही नही वरन् पूर्ण विश्वास है कि महोदय अपने स्तर से पहल करके संवर्ग की लम्बित समस्याओं का निराकरण कराते हुये सम्बन्धित राजाज्ञाये जारी कराते हुये संस्था को अनुग्रहीत करेगें।

महान कृपा होगी संस्था सदैव आपकी आभारी रहेगी।

दिनांक–

भवदीय

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
जिलाध्यक्ष का नाम	जिला मंत्री का नाम
जनपद	जनपद

प्रतिलिपि– प्रधान कार्यालय उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ को सूचनार्थ प्रेषित।

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
जिलाध्यक्ष का नाम	जिला मंत्री का नाम
जनपद	जनपद

नोट– तहसील पदाधिकारी अपने ज्ञापन में जिलाधिकारी के स्थान पर उपजिलाधिकारी एंव जनपद के स्थान पर तहसील तथा जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री के स्थान पर तहसील अध्यक्ष एवं तहसील मंत्री लिखेगें।